डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 60 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 09 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

आगामी चुनावों में दिखेंगे कई नए चेहरे

विस 2023 ने कईयों की राजनीतिक रफ्तार पर लगा दिया ब्रेक, संसदीय क्षेत्र में होगा बड़ा राजनीतिक बदलाव

मंदसौर, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र में विशेषकर कांग्रेस में कई नेताओं की राजनीतिक रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। इसका कारण है कहीं उम्र तो कहीं लगातार हार। पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा और सुभाष सोजतिया की बात करें तो उम्र के 70 पड़ाव वे पार कर चुके हैं। इधर कई दूसरा चुनाव भी हार चुके हैं तो कुछ ने निर्दलीय खड़े होकर पार्टी से बगावत कर दी। वहीं जावद में पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी का पार्टी विरोधी गतिविधि संबंधित ऑडियो भी वायरल हो गया। जिसके बाद पार्टी ने कार्रवाई कर निष्कासित भी कर दिया। मतलब यह विस चुनाव कांग्रेस में कई नेताओं के राजनीतिक कॅरियर पर पुर्णविराम लगा गया। यह भी कहा जा सकता है कि युवा और नए चेहरों के लिए गेट भी खोल गया। मतलब साफ है कि आने वाले चुनावों में नए चेहरे दिखना तय है। वह चुनाव मंडी हो या नगरीय निकाय या विस चुनाव।

जावद में दो की दावेदारी खत्म या कमजोर...

जावद विधानसभा में त्रिकोणीय मुकाबला होने के कारण रोचक स्थिति थी। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति हर चुनाव में बनती आई है। कांग्रेस प्रत्याशी समंदर पटेल लगातार दूसरी बार लड़े और हार गए। वे वर्ष 2018 में निर्दलीय भी लड़े थे। वहीं टिकट के एक ओर दावेदार राजकुमार अहीर चुनाव मैदान में भले ही नहीं उतरे, लेकिन पार्टी विरोधी गतिविधि के कारण उन्हें कांग्रेस ने निष्कासित कर दिया। अहीर निर्दलीय व पार्टी के टिकिट पर इस सीट से पूर्व में कई बार चुनाव लड़कर हार चुके हैं। मतलब साफ है कि इन दोनों की ही अगले चुनावों में टिकीट दावेदारी कमजोर या खत्म हो गई है। इधर भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़े पूरण अहीर के राजनीतिक कैरियर पर भी विराम लगने की संभावना है।

नीमच में उमराव का तीसरा था चुनाव...

नीमच जिले की नीमच मुख्यालय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उमरावसिंह गुर्जर का भी यह विधानसभा का तीसरा चुनाव था। पार्टी के टिकट पर नीमच व 2018 में मनासा से लड़ चुके है तो एक बार निर्दलीय भी मैदान में उतर चुके है। मतलब साफ है कि यहां से उमरावसिंह गुर्जर की अगले चुनावों में दावेदारी कमजोर हो गई है। कहीं न कहीं नए चेहरों की दस्तक होगी।

दो पूर्व मंत्री अब खुद के लिए वोट मांगते नहीं दिखेंगे...

पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया और नरेंद्र नाहटा की बात करें तो मनासा से पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा भी चुनाव हार गए। वर्ष 2018 में मंदसौर से भी नाहटा हार गए थे। इसके पूर्व के चुनाव में भी मनासा से एक चुनाव हारे थे। वहीं मंदसौर की गरोठ सीट से पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया एक उपचुनाव सहित यह पांचवी बार हार गए। वे अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुके है। नाहटा व सोजतिया की उम्र भी 70 से अधिक हो चली है। ऐसे में पांच साल बाद उम्र में और इजाफा होगा। लोकसभा की संभावना भी फिलहाल नजर नहीं आ रही और छोटे मोटे चुनाव दोनों ही नेताओं के लिए उनके स्तर के खिलाफ होंगे। मतलब दोनों ही नेता अब खुद के लिए वोट मांगते नजर नहीं आएंगे।

सुवासरा-मल्हारगढ़ में तीन के राजनीतिक कॅरियर पर प्रश्न चिन्ह...

मल्हारगढ़ और सुवासरा की बात करें तो तीन युवा नेताओं के राजनीतिक कॅरियर पर प्रश्न चिन्ह खड़े हो गए है। मल्हारगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी परशुराम सिसौदिया दूसरी बार चुनाव हारकर तीसरे नंबर पर रहे। वहीं कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी श्यामलाल जोकचंद पार्टी से बागी बनकर निर्दलीय लडे। मतलब साफ है कि दोनों ही नेता अब किसी भी चुनाव में उस दावेदारी से टिकीट की मांग नहीं कर सकते। इधर बात करें सुवासरा से राकेश पाटीदार की तो वह भी लगातार दूसरा चुनाव बड़े अंतर से हारे हैं। इसी के साथ उनके आलोचकों की संख्या भी क्षेत्र में बढ गई है।

जावरा में नेतृत्व विहीन हुई कांग्रेस...

जावरा विधानसभा में कांग्रेस की राजनीति में फिर से कई चेहरे की सक्रियता दिखेंगे। कालूखेड़ा गुट के भाजपा में आने के बाद यहां कांग्रस नेतृत्वविहीन दिखी। इस चुनाव में इसका असर भी दिखा और आलोट के कार्यकर्ता को जावरा से टिकिट मिला। नतीजा इस बार बगावत भी रही और भितरघात के कारण हार मिली। वहीं अन्य कई दावेदार है जो फिर से अपनी जमीन मजबूत करने यहां सक्रियता को बढाएंगे। ऐसे में यहां भी चेहरे बदलेंगे। इस तरह 8 में से लगभग 7 सीटों पर जहां हार मिली वहां नए चेहरों की दस्तक होना तय माना जा रहा है।

अब मंदसौर भाजपा में बढ़ेगी कई नेताओं की दिलचस्पी...

संसदीय क्षेत्र की सिर्फ मंदसौर सीट पर ही भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। ऐसे में मंदसौर की भाजपा की राजनीति में पिछले लंबे समय से आगे आने के लिए दस्तक दे रहे कई नेताओं की सक्रियता के साथ जोर आजमाईश भी बढ़ेगी। अब कई नए चेहरों की भी मंदसौर की राजनीति में दिलचस्पी बढ़ेगी। परिणाम के बाद भी लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार कर रहे कई चेहरों की राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा है।

प्रधान आरक्षक पर जंगली सुअर के शिकार का आरोप, वीडियो वायरल

जावद थाने में पदस्थ है प्रधान आरक्षक राघवेंद्रसिंह, संदिग्ध गतिविधियों के चलते पहले भी उज्जैन भेजा गया था

नीमच, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावद थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल राघवेंद्रसिंह द्वारा अपने साथियों के साथ जंगली जानवर सुअर का शिकार किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें घेरा बनाकर पुलिसकर्मी और उसके साथी खड़े हुए है। जिसमें प्रधान आरक्षक राघवेंद्रसिंह एक अन्य साथी से कह रहा है कि अपने कपडे बचाना, खून खूब गिर रहा है.. वन्य प्राणी की हत्या गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है, अब देखना है कि कानून के रखवाले द्वारा ही इस अपराध को कारित किये जाने का आरोप है तो इस मामले में बड़े अफसर क्या कार्रवाई करते है।

नीमच जिले में जावद विधानसभा क्षेत्र में घने जंगल है। आए दिन जंगली जानवरों के शिकार के मामले सामने आते है। लेकिन, आम व्यक्ति पकड़ता है। किंतु इस बार कानून का पालन करवाने वाले पर ही जंगली सुअर का शिकार करने का आरोप है। वायरल वीडियो में स्पष्ट नजर आ रहा है कि खून से लथपथ जंगली सुअर मरा पडा हुआ है और और नीमच जिले के जावद थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल राघवेंद्रसिंह व उसके साथी मरे हुए जंगली सुअर को ले जा रहे है। इस वीडियो में प्रधान आरक्षक राघवेंद्रसिंह बोल रहा है कि चलो, उजाला है के नहीं, इतने में एक अन्य व्यक्ति बोलता है टार्च है, हो जाएगा इससे, इतने में टॉर्च से उजाला करते है। जिसमें जंगली सुअर दिखता है, एक व्यक्ति कटटे में ले जाने की बोलता है, इसी दौरान हेड कांस्टेबल राघवेंद्रसिंह बोलता है कि अपने कपड़े बचाना, खून खूब गिर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम का एक व्यक्ति ने वीडियो बनाया था, जो लीक होकर अब वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो विधानसभा चुनाव के दौरान जावद क्षेत्र के जंगलों का है। चुनाव डयूटी से गायब रहकर हेड कांस्टेबल अपने साथियों के साथ जंगल में शिकार खेलने गया था और एक सुअर का शिकार किया। नीमच जिले में हेड कांस्टेबल राघवेंद्रसिंह चर्चित है। संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पूर्व में राघवेंद्रसिंह को उज्जैन भेज दिया गया था, लेकिन जुगाड जमाकर कुछ माह पूर्व ही प्रधान आरक्षक नीमच आया और कुछ समय लाइन में रहने के बाद जावद थाने में पोस्टिंग करवा ली। उल्लेखनीय है कि रतलाम डीआईजी मनोजकुमार सिंह पूर्व में नीमच में एसपी रह चुके है। उनके कार्यकाल में ही इसी हेड साहब के खिलाफ कार्रवाई हुई थी।

अवैध हथियार से शिकार...?

विधानसभा चुनाव के दौरान जिले में शस्त्र हथियार थाने में जमा करवाए गए थे। क्या पुलिसकर्मी राघवेंद्रसिंह ने हथियार थाने में जमा नहीं करवाए। अगर करवाए भी तो क्या अवैध हथियार से जंगली सुअर का शिकार किया। क्या थाने की रायफल से शिकार किया। पुलिस इन तीनों बिंदुओं पर जांच करें तो सच्चाई सामने आएगी कि आखिर किस बंदूक या अन्य हथियार से जंगली सुअर को मार गिराया गया।

आईजी लेंगे एक्शन...

उज्जैन रेंज के आईजी संतोषकुमार सिंह इस तरह के मामलों में गंभीर रहते है। कानून का रखवाला ही वन्य प्राणियों का भक्षक बन जाने का सनसनीखेज मामला नीमच जिले में सामने आया है। अब देखना यह है कि आईजी संतोषकुमार सिंह इस मामले में क्या एक्शन लेते है, क्योंकि आईजी नीमच जिले के दौरे पर है।

इनका कहना...

एक वीडियो संज्ञान में आया है। वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में मामला है। जिसमें जंगली सुअर का शिकार बताया जा रहा है। इस मामले की जांच की जा रही है।

सुश्री निलेश्वरी डाबर, एसडीओपी, जावद

सिविल सर्जन डा.डीके शर्मा का डंका बजा

बड़ा अस्पताल नंबर वन, मिले 90 प्रतिशत अंक, अब हर साल मिलेगे 35 से 45 लाख रुपए तक, बढ़ेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर देश के जिला मुख्यालय स्थित बडे अस्पतालों का निरीक्षण कराया गया था। इसमें मध्य प्रदेश से मंदसौर अव्वल रहा है। मंदसौर के साथ शिवपुरी को भी 90 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए है। इसका मतलब है कि बडे अस्पताल की सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर की टीम और भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बेहतरीन माना है। इसका श्रेय सिविल सर्जन डॉ डीके शर्मा और उनकी टीम को जाता है। यह दूसरा मौका है जब डॉ डीके शर्मा के कार्यकाल में राष्ट्रीय स्तर का अवार्ड बडे अस्पताल को मिला है। इससे अब अस्पताल को 35 से 45 लाख रुपए सालाना मिलेंगे। जिससे यहां की सेवाओं को बेहतरीन करने के लिए मदद मिलेगी। बता दे कि यह पहली बार है कि भारत सरकार की इस योजना में किए गए निरीक्षण में बडे अस्पताल ने इतनी बडी उपलब्धी प्राप्त की है। अब अस्पताल में यह कहा जा रहा है की डा डीके शर्मा का डंका बजा है।

उल्लेखनीय है कि सितंबर माह में राष्ट्रीय स्तर की एक टीम ने मंदसौर के बडे अस्पताल पहुंचकर निरीक्षण किया था। राष्ट्रीय स्तर पर हुआ यह निरीक्षण प्रदेश के सभी बडे अस्पतालों का किया गया था। इसमें सभी बडे अस्पतालों को सुविधाओं और स्टॉफ की सेवाओं के मान से अंक दिए जाना था। इसमें मंदसौर के बडे अस्पताल ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है।

अस्पताल में बढ़ेगी सुविधाएं...

अभी तक भवन हो या अन्य सुविधाएं, बडे अस्पताल में बजट की कमी रोडा बनती आई है। लेकिन, इस अवार्ड को हासिल करने के बाद बडे अस्पताल को बजट की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी। इसका कारण यह है कि पांच साल तक बडे अस्पताल को 35 से 45 लाख रुपए भारत सरकार देगी। मतलब इन रुपयों से अतिरिक्त सुविधाओं को जुटाया जा सकेगा। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं इससे यहां आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को सुविधाएं मिलेगी।

दूसरी बार मिला सम्मान...

सिविल सर्जन डॉ डीके शर्मा के कार्यकाल में यह दूसरी बार है जब बडे अस्पताल ने राष्ट्रीय स्तर की इस तरह की उपलब्धी को हासिल किया। इससे पहले लक्ष्य फैसेलिटी अवार्ड भी अस्पताल को मिल चुका है। जिसमें मैटरनिटी वार्ड में बेहतरीन सेवाओं को यहां आई टीम ने सराहा और अव्वल बताया।

इनका कहना...

बडे अस्पताल के स्टॉफ की मेहनत का नतीजा है कि यह अवार्ड पहली बार मंदसौर अस्पताल को मिला। यह गर्व की बात है कि 90 प्रतिशत अंक हमें मिले हैं। यह मंदसौर बडे अस्पताल के लिए सम्मान की बात तो है ही, साथ ही इससे सालाना 35 से 45 लाख रुपए अस्पताल को मिलेगे। जिससे यहां की सुविधाओं को बेहतर से बेहतरीन करने में मदद मिलेगी।

डॉ डीके शर्मा, सिविल सर्जन, बड़ा अस्पताल मंदसौर

बीड़ी पीने का शौक महंगा पड़ा

बिस्तर पर गिरी जलती हुई तिली, बुज़ुर्ग गंभीर झुलसे, उपचार जारी

नीमच, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी थाना क्षेत्र जूना बाजार नीमच सिटी में एक बुजुर्ग को बीड़ी पीने का शौक महंगा पड़ गया। दरअसल बुजुर्ग ने बीड़ी जलाने के लिए माचिस का उपयोग किया ओर जलती हुई तीली बिस्तर में जा गिरी। जिसके चलते बुजुर्ग बुरी तरह जुलस गए। जिन्हें तत्काल नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में उन्हें रेफर कर दिया गया।

बड़े अस्पताल में परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सुरेंद्र पिता राम सिंह राजपूत उम्र 60 वर्ष निवासी जूना बाजार नीमच सिटी बीमार अवस्था मे है ओर पैरालिसिस में है। वह बीड़ी पीने के आदी भी है। शुक्रवार दोपहर 11 से 12 के बीच जब घर में कोई नहीं था। इस दौरान उन्होंने जैसे ही बीड़ी जलाने के लिए माचिस का उपयोग किया तो जलती हुई तीली बिस्तर पर जा गिरी। बुजुर्ग उसे बुझा नहीं पाए और देखते ही देखते बिस्तर में आग की लपटे उठने लगी। जिससे वे बुरी तरह झुलस गए। घर में धुआ उठता हुआ दिखा तो पड़ोसी मदद को पहुंचे और आग बूझाकर घटना की जानकारी परिजनों को दी गई। जिसके बाद सुरेंद्र सिंह को नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उदयपुर रेफर किया गया है।

निर्वाचित विपिन का विजन क्षेत्र की प्रगति रहेगा या आमंत्रण-निमंत्रण का दर्जा...

मंदसौर/उज्जैन, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन तीन बार के विधायक यशपाल सिसोदिया को हराकर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचित सदस्य का प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके हैं। युवा विपिन जैन से क्षेत्र की जनता को बहुत उम्मीद है। विपक्ष में रहकर कितना कुछ क्षेत्र के लिए कर पाएंगे, यह समय के गर्भ में है। लेकिन, पिछले 36 घंटे से कांग्रेसी पार्षदों ने घोषित होने वाले विधायक को उलझन में डाल दिया है। संगठन अध्यक्ष रहते खुद भी इस विवाद के मुख्य पात्र बन गए हैं। जिसकी पात्रता पाने का उन्हें अभी अधिकार भी नहीं है। दरअसल 3 दिसंबर को उन्हें भाजपा प्रत्याशी से अधिक मत मिलने के कारण जिलाधीश ने विधानसभा के लिए निर्वाचित सदस्य होने का प्रमाण पत्र दिया है। विधायक अभी हुए नहीं है और इस पद नाम की प्रतिष्ठा पाने के लिए नगर पालिका परिषद से भिड़ गए है।

कांग्रेसी पार्षदों ने भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी को विरोध स्वरूप अपना ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जवाब दिया कि नगर पालिका अध्यक्ष से बात करुंगा, शायद इन्होंने विपिन जैन को अभी से विधायक मान लिया है ! जहां तक निर्वाचन आयोग के नियमानुसार किसी निर्वाचित सदस्य को वैधानिक स्तर पर विधायक के अधिकार पाने के लिए विधानसभा के स्पीकर द्वारा शपथ दिलाई जाती है। निर्वाचित प्रत्याशी को यह शपथ निर्वाचन होने की तिथि से 3 महीने के भीतर लेना होती है। इस अंतराल में निर्वाचित व्यक्ति के शपथ नहीं न ले पाने पर स्वत: उसका निर्वाचन निरस्त हो जाता है। ऐसे में यह कहा जाना गलत नहीं होगा कि अभी तक विपिन जैन विधायक न होकर सिर्फ निर्वाचित सदस्य बने हैं। अत: मान अपमान का सवाल ही कांग्रेसी पार्षदों को नहीं उठाना चाहिए !

ऐसा ही एक सांसद का मामला है, जिस में घटना का उल्लेख है कि पंजाब से सांसद चुना गया व्यक्ति अपनी 5 फीट की तलवार लेकर संसद में प्रवेश चाहता था। नियमानुसार अनुमति नहीं थी, प्रवेश भी नहीं मिला। उन्होंने स्पीकर से अनुमति भी मांगी तब भी नहीं मिली। इस दौरान तीन महीने निकल जाने पर उनके निर्वाचन स्वत: निरस्त हो गया था।

निर्वाचन के इस नियम अनुसार विपिन जैन को तब तक मध्य प्रदेश विधानसभा का सदस्य नहीं माना जा सकता। जब तक की प्रोटेम स्पीकर या स्पीकर से शपथ नहीं ले लेते । निर्वाचन आयोग के नियमों अनुसार इसके बाद ही विधायक के अधिकार निर्वाचित सदस्य को मिल पाते हैं। यह उल्लेख भी आवश्यक है कि जब तक चयनित दलों के विधायक स्पीकर का चुनाव नहीं कर लेते। तब तक महामहिम राज्यपाल इन्हीं सदस्यों में से किसी एक सदस्य को प्रोटेम स्पीकर घोषित करते हैं, जो विधिवत स्पीकर का चयन होने तक विधानसभा सभापति का दायित्व निभाते हैं। अभी तो इसकी शुरुआत भी नहीं हुई है और कांग्रेसी पार्षदों ने मान अपमान का विवाद खड़ा कर भुनाना शुरू कर दिया है। नगर के प्रबुद्ध नागरिकों की चर्चा भी यही है कि पढ़े-लिखे युवा निर्वाचित सदस्य का विजन तो क्षेत्र की प्रगति होना चाहिए ना की व्यक्तिगत मान सम्मान, जिसे आमंत्रण-निमंत्रण से तौला जा रहा है।

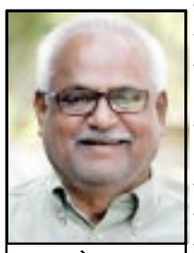

चन्द्रमोहन भगत

आम चुनाव में निर्वाचित किसी भी सदस्य की प्राथमिकता क्षेत्र का विकास, जनमत की समस्याओं का निदान और शासन से मिलने वाली योजना और सुविधाओं का पालन कराना होना चाहिए। विधायक इसलिए भी नहीं बने हैं कि यह पैमाना लगाकर बैठ जाएं कि किस आयोजन में किन आयोजको ने निमंत्रण भेजा या नहीं ! क्षेत्र की जनता को भी विकास और शासकीय योजनाओं के अनुपालन में रुचि रहती है। क्षेत्रीय विधायक मुस्तैद हो तो शासन प्रशासन के अधिकारी योजनाओं को मूर्त रूप दिलाने में सक्रिय रहते हैं।

अगर नवनिर्वाचित सदस्य विपिन जैन, उनके समर्थक ऐसे ही आमंत्रण निमंत्रण को प्रतिष्ठा बनाते रहे तो उन्हें भी अपने सरपंच काल के निमंत्रण कार्डों को खंगालना पड़ेगा। जिसमें उनके कार्यकाल में जनप्रतिनिधियों की चाहे अनचाहे उपेक्षा की गई होगी। इन्हीं में से एक प्रमाण तो उजागर हो ही गया है। इसलिए बेहतर है की विजन अपने क्षेत्र के विकास का रखें और मतदाताओं से किए गए वादों को पूरा करें । निमंत्रण आमंत्रण से दूरी बनाए रखेंगे तो क्षेत्र के लिए समय भी अधिक मिला करेगा। वरना प्याज़ के छिलके की तरह आरोप प्रत्यारोप में ही समय निकल जाएगा और उपलब्धि का घड़ा खाली रह जाएगा। क्योंकि, ऐसे विधायक की बराबरी करना है जो हर किसी का कॉल अटेंड करता रहा, समय मिलने पर जवाब देता रहा। जबकि, विपिन जैन अब साहब हो गए हैं तो फोन की घंटी बजती है। बार-बार बजने के बाद भी ना अटेंड हो रहा है ना बाद मे जवाब मिल रहा है। यह हाल विधायक होने के पहले से हैं। बाद मे क्या होगा?

बूढ़ा चौकी पुलिस को चकमा दे भागा तस्कर, कार से जप्त किया 1 क्विंटल छिलका

मंदसौर, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नारायणगढ़ थाने की झार्ड़ा और बूढ़ा चौकी पुलिस लगातार सक्रिय होकर तस्करी की वारदात पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही है। लेकिन, कई बार तस्कर चकमा देकर भाग रहे है। जो बाद में काफी मशक्कत के बाद मिल रहे है। नारायणगढ़ थाने की बूढ़ा चौकी पुलिस ने शुक्रवार को एक कार से एक क्विंटल अवैध मादक पदार्थ डोडा छिलका बरामद किया है। हालांकि पीछा करने के बाद भी पुलिस आरोपी को नहीं पकड़ पाई, वह फरार गया।

नारायणगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबीर से मिली सूचना पर एक हुंडई आई-20 कार को रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन, कार चालक कार लेकर भाग निकला। उसका पीछा किया गया। इस दौरान कार कुछ दूरी पर जाकर एक पत्थर से टकरा गई। मौका देख आरोपी कार छोड़ फरार हो गया। पुलिस के दो जवानों ने आरोपी का पीछा भी किया। लेकिन, आरोपी हाथ नहीं आया। कार की तलाशी लेने पर कार की पिछली सीट और डिक्की में रखे 5 प्लास्टिक के कट्टों में 100 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया। जिसकी की कीमत 2 लाख रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मादक एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

नई आबादी पुलिस ने बरामद की सवा किलो अफीम, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना पुलिस ने एक किलो से ज्यादा अफीम जब्त की है। मामले में बाइक सवार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

नई आबादी पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर नयाखेड़ा मंदसौर रोड़ पर दबिश दी गई। इस दौरान एक बाइक सवार को रोककर तलाशी ली गई। जिसके पास से 1 किलो 200 ग्राम अफीम मिली। पुलिस ने बताया कि बाइक सवार रोहित पिता गणेशराम निवासी हथुनिया थाना अफजलपुर को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

विचार-मंथन

महिलाओं के खिलाफ बढ़ती आपराधिक घटनाएं चिंताजनक

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट ने एक बार फिर समाज, पुलिस-प्रशासन और सरकारों के कामकाज की शैली को आईना दिखाया है। दर्ज मामलों पर आधारित आंकड़ों के मुताबिक देखें तो आज भी हर जगह होने वाले अपराधों में महिलाएं सबसे ज्यादा जोखिम से गुजर रही हैं और उनके खिलाफ आपराधिक घटनाएं कम होने के बजाय और बढ़ रही हैं। एनसीआरबी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि 2022 में देश भर में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के कुल चार लाख पैंतालीस हजार दो सौ छप्पन मामले दर्ज किए गए। जबकि इसके पिछले वर्ष यानी 2021 में यह आंकड़ा चार लाख अट्ठाईस हजार दो सौ अठहत्तर और 2020 में तीन लाख इकहत्तर हजार पांच सौ तीन था। यानी वक्त बीतने के साथ महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की तस्वीर में कोई सुधार आने के बजाय स्थिति और ज्यादा बिगड़ती जा रही है। माना जाता है कि शहरों में कानून-व्यवस्था से लेकर अन्य उपायों की वजह से आम नागरिकों की सुरक्षा के लिहाज से स्थितियां बेहतर हैं। मगर विडंबना है कि गांवों के मुकाबले शहरों और महानगरों में स्थिति और ज्यादा चिंताजनक हुई है। स्त्रियों का जीवन महानगरों में अपेक्षया ज्यादा जोखिम से गुजर रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में दिल्ली सबसे ऊपर रही, जो लगातार तीसरे साल उन्नीस महानगरीय शहरों में सबसे अधिक है। राज्यों में उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे ज्यादा प्राथमिकी दर्ज हुई। जिस दौर में देश के हर स्तर पर आगे बढ़ने और व्यवस्था में बड़े बदलाव का हवाला दिया जा रहा है, उसमें महिलाओं के जीवन पर जोखिम में लगातार बढ़ोतरी कैसे हो रही है! आमतौर पर सभी सरकारें महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अनेक घोषणाएं करती रहती हैं। मगर साफ देखा जा सकता है कि सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों से लेकर जितने भी कदम उठाए जाते हैं, उससे जमीनी स्तर पर महिलाओं के जीवन को सहज और सुरक्षित बनाने में कोई ठोस कामयाबी नहीं मिली है। आखिर क्या कारण है कि आज भी घर से बाहर आवाजाही के रास्तों से लेकर काम की जगहों, यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाओं को बहुस्तरीय जोखिम का सामना करना पड़ रहा है? हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे जघन्य वारदात का शिकार होने को गंभीर अपराधों की श्रेणी में माना जाएगा, लेकिन एनसीआरबी की रिपोर्ट यह भी कहती है कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ 31.4 फीसद आपराधिक घटनाएं पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता की थीं। सवाल है कि वक्त के साथ चतुर्दिक विकास, नए सख्त कानूनी प्रावधान और व्यवस्थागत सुधार के बीच महिलाएं कहां हैं? आमतौर पर सभी पार्टियों का यह चुनावी नारा और वादा होता है कि वे सत्ता में आने पर हर स्तर पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। मगर हकीकत यह है कि हर अगले साल एनसीआरबी के आंकड़ों से लेकर सभी अध्ययनों में यही अफसोसनाक तस्वीर होती है कि महिलाएं कहीं भी खुद को सुरक्षित और सहज महसूस नहीं कर पातीं। कानून-व्यवस्था, पुलिस-प्रशासन की उदासीनता का आलम यह है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के भीतर शायद ही कभी खौफ दिखता हो। सामाजिक विकास का सवाल हाशिये पर होने की वजह से आम लोगों के भीतर भी स्त्रियों और उनके मुद्दों को लेकर जरूरी संवेदनशीलता का अभाव दिखता है। अगर देश की महिलाएं हर जगह खुद को असुरक्षित पाती हैं, तो विकास के आंकड़ों और दावों का क्या मतलब रह जाता है?

519 विधायकों में सिर्फ 13 प्रतिशत महिलाएं...

पीएम मोदी ने अपने धन्यवाद भाषण में कहा था, मैं महिलाओं को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनसे किए गए सभी वादे शत-प्रतिशत पूरे होंगे; ये मोदी की गारंटी है। महिलाओं को आम तौर कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की तरह देखा जाता है। उन्हें इससे परे देखने का बहुत कम प्रयास हुआ है। जिस वर्ष महिला आरक्षण विधेयक पर भारी जोर दिया गया, क्या उस वर्ष में महिलाओं की चुनावी भागीदारी में कोई वृद्धि देखी गई? इस बार कितनी उम्मीदवारों की जीत मिली है? एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्टों से विश्लेषण के अनुसार, किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल ने चुनावी राज्यों में 33प्रतिशत महिलाओं को टिकट नहीं दिया। चार राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों (भाजपा और कांग्रेस) ने 148 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं। 199 पर चुनाव हुए। भाजपा के 155 उम्मीदवारों को जीत मिली है। राजस्थान में भाजपा के टिकट पर मात्र नौ महिलाएं विधायक बनी हैं। इनमें से दो नाम महत्वपूर्ण हैं। पहला नाम है पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का, जो झालरापाटन से जीती हैं। दूसरा नाम है दीया कुमारी का, जो विद्याधर नगर से विजयी हुईं। वह भाजपा से सांसद भी हैं, 14 दिन में उन्हें तय करना है कि वह सांसद रहेंगी या विधायक। राजे और कुमारी, दोनों ने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि राज्य का सबसे प्रमुख चेहरा होने के बावजूद चुनाव के दौरान राजे किनारे कर दी गई थीं, लेकिन इसका असर उनकी सीट पर नहीं पड़ा। वहीं सांसद दीया कुमारी पैराशूट उम्मीदवार थीं। उन्हें पार्टी ने उस विद्याधर नगर से उतार दिया था, जो भाजपा नेता नरपत सिंह राजवी का क्षेत्र माना जाता है। लेकिन कुमारी ने मजबूती से चुनाव लड़ा और जीता। राजस्थान में कांग्रेस हार गई है, लेकिन 69 विजयी उम्मीदवारों में से नौ महिला नेता हैं। कांग्रेस के लिए ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, क्योंकि 2018 में महिला दावेदार 13.1प्रतिशत थी, जो 2023 में 14.1प्रतिशत हो गई हैं। दो महिला निर्दलीय उम्मीदवार- डॉ. रितु बानावत और डॉ. रितु चौधरी ने भी अपनी सीटें जीत ली हैं। इस बार के सदन में केवल 10प्रतिशत महिलाएं नजर आएंगी, पिछले सदन में यह संख्या 12प्रतिशत थी। इस बार राजस्थान में कुल 20 महिलाओं को विधायक बनाया है। 2018 में 24 महिलाओं को विधायक बनाया था। उन 24 में से 12 कांग्रेस और 10 भाजपा से थीं। इसके अलावा एक आरएलपी से और एक निर्दलीय भी जीती थीं। मध्य प्रदेश के 230 विधायकों में से 27 महिला हैं। महिला मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मध्य प्रदेश भाजपा 'लाडली बहना योजना' लेकर आयी थी। राज्य में भाजपा ने महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं पर तो जोर दिया लेकिन चुनावी मैदान में इस तरह की पहल नजर नहीं आयी। भाजपा के नवनिर्वाचित 163 विधायकों में से 21 महिलाएं हैं। इसमें हट्टा से उमादेवी लालचंद खटीक और मंडला से संपतिया उइके शामिल हैं। दोनों ने एक लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की है। कांग्रेस के विजयी 65 उम्मीदवारों में से केवल पांच महिला हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कुल 2534 उम्मीदवार मैदान में थे, उनमें से केवल 253 महिलाएं थीं। 2018 की तुलना में इस बार महिला उम्मीदवारों की संख्या थोड़ी ज्यादा थी। पिछले विधानसभा चुनाव में 235 महिला उम्मीदवार मैदान में थीं। इस बार भाजपा ने 28 और कांग्रेस ने 30 महिलाओं को मैदान में उतारा था। 2018 में ये संख्या क्रमशः 24 और 27 थी। छत्तीसगढ़ के 90 विधायकों में से 19 महिला हैं। छत्तीसगढ़ में इस बार बीजेपी के 54 विजयी उम्मीदवारों में से नौ महिलाएं हैं। कांग्रेस की कुल 11 महिला उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है और यह उसके 35 विजयी उम्मीदवारों में से लगभग एक तिहाई है। निवर्तमान सदन में 18 प्रतिशत विधायक महिलाएं थीं। इस बार कुल विधायकों में 21.1 प्रतिशत महिलाएं हैं। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है जहां पहले चुनाव के बाद से ही महिला उम्मीदवारों और महिला विधायकों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। 2003 में केवल पांच महिलाओं के निर्वाचित होने से लेकर 2018 में 16 महिलाओं के निर्वाचित होने तक, राज्य में महिला विधायकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

जो बाइडन: कठिन है डगर पनघट की...

अमेरिका एक बड़ा तबका परेशान हाल है। कारण हाल में हुए जनमत सर्वेक्षणों के नतीजे। जो बाइडन अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप से पिछड़ रहे हैं। न्यूयार्क टाईम्स और सिएना कालेज के जनमत सर्वेक्षण से मालूम पड़ा कि प्रमुख राज्यों में ट्रंप, बाइडन से 10 पॉइंट आगे हैं। एनबीसी न्यूज द्वारा करवाए गए राष्ट्रस्तरीय जनमत सर्वेक्षण में ट्रंप, बाइडन से बहुत थोड़े अंतर पाए गए। इन परस्पर विरोधी आंकड़ों ने डेमोक्रेटों, बुद्धिजीवियों, अध्येताओं, डेमोक्रेट मतदाताओं और अमरीका के शुभचिंतकों के बीच चिंता की लहर पैदा कर दी है। यह साफ है कि बाइडन में लोगों का भरोसा कम हो रहा है। और यह इस तथ्य के बावजूद कि जो बाइडन का पहला कार्यकाल काफी हद तक सफल कहा जा सकता है। वे देश के हालात सामान्य बना सके। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती को, देश को और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाने दिया। उन्होंने यूक्रेन पर हुए आक्रमण और इजराइल-हमास युद्ध - दोनों मामलों में दृढ़ता का परिचय दिया। लेकिन इसके बावजूद चुनावों के एक साल पहले बाइडन देश की पहली पसंद नहीं हैं। सवाल है कौनसी बातें उनके खिलाफ जा रही हैं? सबसे मुख्य है उनकी आयु। हालांकि मेरा मानना है कि उनकी उम्र मात्र एक नंबर होती है और उनकी चुस्ती-फुर्ती को देखते हुए लगता है कि उनकी आयु के मुद्दे को जरूरत से ज्यादा तूल दिया जा रहा है। वैसे ट्रंप भी युवा नहीं हैं! किंतु सीएनएन के हालिया राष्ट्रीय जनमत सर्वेक्षण में भी ट्रंप को बाइडन से चार प्रतिशत आगे बताया गया है। केवल एक-चौथाई लोगों ने माना कि राष्ट्रपति में अपना काम करने लायक शारीरिक और मानसिक क्षमता है जबकि 77 वर्षीय ट्रंप के बारे में आधे से अधिक लोगों ने कहा कि ट्रम्प में यह क्षमता है। इससे यह स्पष्ट है कि बहुत से लोगों ने आयु के आधार पर अपनी पसंद तय की है। दूसरा मसला जनता तक अपनी बात पहुंचाने काहै। बाइडन और उनका प्रशासन जनता को अपने बेहतर काम से वाकिफ नहीं कर पाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले चार सालों में बाइडन ने अमेरिका को डावांडोल स्थिति से निकालकर वहां स्थिरता कायम की है - चाहे हम अर्थव्यवस्था के बात करें या विदेश नीति की। लेकिन वे 'बाइडनोमिक्स' जैसी उनके लिए घातक ब्रांडिंग में उलझ गए हैं। उन्होंने अमेरिका को यह भरोसा दिलाने का प्रयास किया कि लोग जितना अच्छा महसूस कर रहे हैं।

स्वस्थ्य व सुखद जीवन का आधार है हास्यबोध

लोकेंद्रसिंह कोट

हंसी का मतलब रिश्तों से है। गौर से देखें तो हमारे अंदर हास्यबोध या 'सेंस आफ ह्यूमर' होता है, लेकिन उसका उपयोग हम कितना करते हैं, यह हमारी मानसिक स्थिति पर निर्भर करता है। इस आपाधापी में सामान्यजन की मानसिक स्थिति ऊहापोह से गुजरती है और ऐसे में हास्य विरले ही नजर आ पाता है। चुटकुलों के बारे में सबसे लंबे वक्त तक चलने वाला सिद्धांत सोलहवीं सदी के ब्रिटिश दार्शनिक थामस हाब्स ने दिया था। उन्होंने कहा था कि हास्य-व्यंग असल में कमजोर का मजाक उड़ाना और अपनी श्रेष्ठता दिखाना होता है। हालांकि बहुत से लोग इस बात से इत्तिफाक नहीं रखते। हंसी-मजाक पर शोध करने वाले तंत्रिका वैज्ञानिक स्काट वीम्स का कहना है कि चुटकुलों के माध्यम से हंसी-मजाक ऐसा जरिया है, जिससे हम इंसानों को हर बार दूसरे को छड़ी से मारने की जरूरत नहीं पड़ती। हम मजाक उड़ाकर उसे सता लेते हैं। वे बताते हैं कि हमारे दिमाग का जो हिस्सा हंसी-मजाक को समझता है, वह बहुत पेचीदा और घुमावदार आयामों को समझने का भी काम करता है। यानी मजाक करना और मजाक समझना कोई हंसी-खेल नहीं! इसके जरिए हम मुश्किल बातों या खयालों के जाल से निकलने की कोशिश करते हैं। इस मसले पर प्रोफेसर सोफी स्काट का विचार है कि चुटकुले सुनकर हंसी के जरिए हमारा अवचेतन मन यह संकेत देता है कि हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। शोध बताते हैं कि जब हमारा दिमाग सुकून में होता है तो हमारे जेहन में ज्यादा अच्छे विचार आते हैं। हम खुलकर काम करते हैं, तो बेहतर नतीजे निकलते हैं। हम ज्यादा रचनात्मक हो जाते हैं। एक शोध अध्ययन के दौरान कुछ लोगों को हास्य कलाकार राबिन विलियम्स का वीडियो दिखाया गया। इसके बाद उन लोगों ने दूसरे समूह के मुकाबले एक पहेली ज्यादा आसानी से हल कर ली। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक, अगर हम हर रोज दस से पंद्रह मिनट तक खुलकर हंसते हैं तो लगभग दस से चालीस फीसद कैलोरी खर्च होती है। इसी तरह, अगर कोई व्यक्ति दिन में आधा घंटा हंस लेता है तो उसे जिम जाने के फायदे हंसने से ही मिल जाएंगे। ऐसा भी कहा जाता है कि हृदय के लिए कोई विशेष व्यायाम नहीं है, लेकिन हंसने से हृदय की कसरत होती है। रक्त का संचार बेहतर होता है। हंसने पर हमारे फेफड़े फूलते-पिचकते हैं। ऐसा होने पर पर मस्तिष्क के एंडार्फिन प्रणाली पर सकारात्मक असर पड़ता है। नतीजा, इंसान खुद को काफी आरामदेह स्थिति में पाता है। व्यक्ति के अंदर बनने वाले तनाव के हार्मोन में कमी आती है और तनाव घटने लगता है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक एवनर जिव ने हास्य पर किताब लिखी है- 'पर्सनालिटी एंड सेंस आफ ह्यूमर'। वे कहते हैं कि कामेडी और हास्य लेखन के जरिए मजाक में समाज में सुधार की कोशिश की जाती है। दोनों से हमें यह समझ में आता है कि समाज में हास्य की कितनी अहम जगह है। व्यंग्य इसी विधा का उच्चतर स्तर है जहां सब कुछ हंसी-मजाक में मखमल लपेटी छड़ी से व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति पर चोट की जाती है। आदमी के दिमाग की जांच से यह भी पता चलता है कि हंसी फैलती है। यहां तक कि जब कोई किसी बेवजह की बात पर भी हंसता है तो इसमें उसका दिमाग भी सक्रिय हो जाता है और आस-पड़ोस में बैठे अनजान लोग भी हंस देते हैं। अगर ठहाका मार कर किसी हंसते हुए व्यक्ति को हम देखते हैं तो हमारी ग्रंथियां सक्रिय हो उठती हैं और हमारी भी मुस्कराहट निकल ही जाती है। चुटकुले सुनाना भी एक कला है। उसमें आवाजों का उतार-चढ़ाव, देहभाषा मायने रखती है। कई बार चुटकुलों में दम नहीं होता है, लेकिन उसे सुनाने वाला मजेदार होता है तो वही चुटकुला सार्थक हंसी उत्पन्न कर देता है। हास्य की भावना सबसे महत्त्वपूर्ण गुणों में से एक है। जो लोग मजाक करने और लोगों को हंसाने में सक्षम हैं, वे अपने और दूसरों के लिए एक बाम या मरहम की तरह हैं। चुटकुलों की दुनिया बड़ी शानदार है। सबसे बड़ा पक्ष यह है कि मोटे तौर पर जानवर भी वह सब कर लेते हैं, जो इंसान करता है। वे सिर्फ खुलकर हंस नहीं सकते। यही अंतर है। चुटकुलों की दुनिया हमारे बाकी के कार्य-व्यापार के साथ-साथ, समांतर चल रही है, बढ़ रही है और निरंतर कायम है। इसे मनोरंजन के किसी भी अन्य माध्यम से कोई खतरा नहीं है। हम चाहे जितनी भी तकनीकी तरक्की कर लें, लेकिन हंसने का कार्य तो हम वैसे ही करेंगे। हमें गंभीर ही नहीं बने रहना है।

सियासत के बाजार में तरक्की से ज्यादा उम्मीद का बिकना

उन्नीस नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट विश्व कप फाइनल मुकाबला होने से कुछ ही घंटे पहले, एक सूचना वायरल हुई, जिसमें बताया गया था कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है। जीडीपी किसी खास अवधि में किसी देश के आर्थिक आकार का अनुमान भर है, पर जल्द ही यह सूचना पूरे सोशल मीडिया पर छा गई। इस विश्वास के साथ कि भारत मैच में ऑस्ट्रेलिया को हरा देगा, यह एक फैलाने या प्रचार लायक राष्ट्रवादी संदेश बन गया। अफसोस, भारत क्रिकेट फाइनल हार गया। बहरहाल, तब तक वह संदेश दूर-दूर तक फैल चुका था। आम लोगों से लेकर राजनेताओं और बड़े उद्यमियों तक, सभी ने उसे सोशल मीडिया पर साझा कर दिया था। कुछ ही लोगों ने यह जानने की जहमत उठाई कि क्या भारतीय जीडीपी वास्तव में 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है? अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, मौजूदा कीमतों में भारतीय जीडीपी 2024 में 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। मुद्रास्फीति के साथ अगर एक हिसाब लगाएं, तो भारत के 4 ट्रिलियन डॉलर सकल घरेलू उत्पाद तक पहुंचने में अभी भी शायद कुछ समय है। निस्संदेह, बाजार में संदेश और सच्चाई वास्तव में एक साथ नहीं चलती है। इसके बाद एक बड़ा सवाल उठता है कि हम भारत की जीडीपी को 4 ट्रिलियन डॉलर, 5 ट्रिलियन डॉलर, 10 ट्रिलियन डॉलर, 30 ट्रिलियन डॉलर आदि पार करने को लेकर इतने जुनूनी क्यों हैं? ये वे आंकड़े हैं, जिनको भारत कभी न कभी पार कर ही लेगा, पर इधर जो वास्तविक तरक्की हुई है, उसके बारे में चर्चा इतनी कम क्यों है? आइए, दो बहुत महत्वपूर्ण आंकड़ों पर नजर डालते हैं। देश की शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और कुल प्रजनन दर (टीएफआर)। आईएमआर एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु की संख्या है, जो प्रति 1,000 जीवित बच्चों पर व्यक्त की जाती है। गौर कीजिए, बाल मृत्यु दर भारत में 1953 में 181 थी और 2021 में लगभग 25 हो गई। तब और अब के बीच आईएमआर हर वर्ष औसतन 2.8 प्रतिशत की दर से गिरी है। भारत में अब कम ही बच्चे काल के गाल में समा रहे हैं। अब टीएफआर पर नजर डालें, साल 1951 में हर महिला औसतन 5.77 बच्चे पैदा करती थी, पर अब केवल 2.03 बच्चे पैदा कर रही है। अगर भारत में यह दर 2.1 हो जाए, तो जनसंख्या स्थिर हो जाएगी। सात दशकों में यह जो कमी आई है, वह काफी हद तक सरकारी दबाव के बिना ही है। इसका तात्पर्य यह है कि औसत आय बढ़ गई है और महिलाएं अब पहले की तुलना में अधिक शिक्षित हैं। ये दो कारक कम बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करते है। महिलाओं के कम बच्चे पैदा करने के चलते जनसंख्या-वृद्धि भी धीमी हो गई है। हालांकि, यह बदलाव भारत में बहुत धीमी रफ्तार से आया है। इससे हमें पता चलता है कि असली तरक्की के लिए सामाजिक स्तर पर बदलाव की जरूरत होती है और इसमें समय लगता है। जैसा कि हैंस रोसलिंग, ओला रोसलिंग और अन्ना रोसलिंग फैक्टफुलनेस में लिखते हैं, कई चीजें (लोगों, देशों, धर्मों और संस्कृतियों सहित) सिर्फ इसलिए थमी हुई प्रतीत होती हैं, क्योंकि बदलाव बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। परेशानी यही है, इन बहुत धीमे बदलावों को जनता के सामने पेश करना राजनेताओं के लिए मुश्किल हो जाता है। इसे लेकर मैं उत्साहित हूं, जैसा कि मॉर्गन हॉसेल ने सेम ऐज एवर = टाइमलेस लेसन्स ऑन रिस्क, ऑपर्च्युनिटी ऐंड लिविंग अ गुड लाइफ में लिखा है = लोग उस दुनिया को याद नहीं करते, जब वे पैदा हुए थे। उन्हें पिछले कुछ महीने ही याद रहते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ प्रमोद टंडन ने कैलाश विजयवर्गीय को सीएम पद पर देखने इच्छा जाहिर की है

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5079

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5078

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 5079

संकेत: बाएं से दाएं

1. यह हमारे देश का राष्ट्रीय गान है (6)
7. एक होने का भाव, अधिकार, आलिंगन (3)
8. भूमि कर, भाड़ा, किराया (4)
9. कान का शब्द का अपभ्रंश (2)
10. फूलों की घनी गुंथी हुई छोटी माला (3)
11. वैराग्य, विरक्ति, संन्यास ग्रहण, दिलीप कुमार की तिहरी भूमिका वाली फिल्म (1967)(3)
12. मृदुल मंद समीर, ठंडी और धीमी हवा (3)
14. साधु संन्यासी के रहने का स्थान (2)
15. रसूल, ईशदूत, पैगंबर (2)
16. असफल, अयोग्य, अनुत्तीर्ण (3)
18. शास्त्रीय संगीत में पांचवा स्वर (1)
20. ये तमिल तथा हिंदी फिल्मों के निर्देशक है जिन्हें पद्मश्री से नवाजा जा चुका है (5)
22. यह ऑस्ट्रिया का सबसे बड़ा शहर है जो डेन्यूब नदी के किनारे स्थित है (3)
24. नदी किनारे का वह पक्का स्थान जहां लोग पानी भरते व स्नान करते है (2)

ऊपर से नीचे

1. मजदूर (3)
2. सामंजस्य न होना, सामंजस्यहीन होना (6)
3. जंगल, कानन, अरण्य (2)
4. जुड़वां, अश्विनी कुमार (3)
5. यह ईरान की राजधानी है (4)
6. गुलअंदाम, फूल जैसा कोमल और मृदुल सुकुमार और सुगंधित शरीर वाला (4)
10. सूर्य का एक नाम यह भी है (5)
12. जल में उत्पन्न वस्तु (3)
13. शोख, चुलबुली, मुस्कराहट (2)
17. हसरत, आरजू, तमन्ना, आकांक्षा (3)
19. पद्य की रचना वाला (2)
21. स्त्री का गुल्म, आम गाभ (2)
22. मेष से संबंधित एक नक्षत्र (2)

वर्ग पहेली 5078 का हल

क	ण	म	न	ही	श्व	री	
र्ण		ल	ला		क	ज	मा
	रू	प	या		न	न	द
	प	त्र		ज			ना
ब	ही		ब	न	वा	स	
ज	न	क	रा	ज		ल	ता
ना	ता		ती			ही	रा
		सू			फी	जी	

सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित किये

मंदसौर गौरव गान, सांस्कृतिक रंगमंचीय कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा कल मंदसौर गौरव दिवस के उपलक्ष्य में तेलिया तालाब स्थित सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा स्थल पर मंदसौर गौरव गान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करने का कार्यक्रम भी हुआ। पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, भारत सरकार की सस्था हुडको के डायरेक्टर श्री बंशीलाल गुर्जर, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर सहित नगरपालिका के जनप्रतिनिधियों ने सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित किये और मंदसौर नगर के गौरव को बढाने में सम्राट यशोधर्मन की भूमिका को नमन किया। सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करने के उपरांत नपा परिषद के द्वारा मंदसौर गौरव गान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें टैलेंट ऑफ मंदसौर के कलाकारों ने एक के बाद एक रंगमंचीय कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। नरेन्द्र कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन व संयोजन में 7 वर्षीय बालिका हर्षिका दुबे ने गीत की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति को देखने व सुनने के बाद श्री सिसौदिया व श्री गुर्जर ने बालिका को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मिताली भिण्डवाल ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। हर्षिता कडोतिया, सतीश हाडा ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति से पूर कार्यक्रम में समा बांध दिया। गोपाल बैरागी व धुरव जैन ने कविता पाठ से मंचीय कार्यक्रम की गरिमा बढाई। दोनों ने हास्य व श्रृंगार रस की कई कविताएं सुनाई। नंदकिशोर राठौर ने स्वयं के द्वारा रचित मंदसौर गौरव गान गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में पधारे अतिथिगणों व नपा परिषद के जनप्रतिनिधियों ने इस गीत का लेखन करने पर श्री नंदकिशोर राठौर को सम्मानित किया। अ.भा. साहित्य परिषद जिला इकाई ने भी श्री राठौर का नागरिक अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मान किया। इस मौके पर रविराज जैन व क्रिश जैन का भी सम्मान हुआ। इसके बाद नपा के द्वारा आतिशबाजी की गई।

मंचीय कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, भारत सरकार की संस्था हुडको के डायरेक्टर श्री बंशीलाल गुर्जर, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, पूर्व अध्यक्ष राम कोटवानी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गरिमा भाटी, प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, समाजसेवी सुरेन्द्रसिंह सिसौदिया, सूरजमल अग्रवाल चाचाजी, नरेन्द्रसिंह चौहान, डॉ. देवेन्द्र पौराणिक, बंशीलाल टांक, पं. जितेन्द्र व्यास, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अजय आसेरी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नरेश चंदवानी, समाजसेवी राजाराम तंवर भी मंचासीन थे। इन सभी अतिथियों का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, सभापतिगण निलेश जैन, निर्मला चंदवानी, रमेश ग्वाला, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, शांतिदेवी फरक्या, कौशल्या बंधवार, पार्षदगण सर्वश्री आशीष गौड, ईश्वरसिंह चौहान एडवोकेट, सुनीता भावसार, प्रमिला संजय गोयल, पिंकी विनय दुबेला, दिव्या अनुप माहेश्वरी, सुनीता नंदलाल गुजरिया, माया नीलमचंद भावसार, भावना पमनानी, विक्रम भैरवा, गोरर्धन कुमावत, दीपक गाजवा, भारती पाटीदार, मंजू अनिल मालवीय आदि ने पुष्पहार भेंटकर व माला पहनाकर किया।

पूर्व विधायक श्री सिसौदिया ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक नगर के गौरव दिवस मनाने की अद्भुत परम्परा की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंहजी ने की है। मंदसौर नगर का गौरव दिवस मनाने के लिये 8 दिसंबर की तारीख का चयन इतिहासकारों ने किया। पिछले वर्ष श्री चौहान का आगमन हुआ था और उन्होंने पशुपतिनाथ लोक बनाने की घोषणा व अविकसित कॉलोनियों को वैध करने की घोषणा की थी। इन दोनों घोषणाओं पर काम शुरू हुआ है। आपने इस अवसर पर कहा कि यह शहर अपना है, मैं इसके विकास के लिये आगे भी पूरे समर्पित भाव से कार्य करता रहूंगा। हुडको के डायरेक्टर बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि सम्राट यशोधर्मन उस शख्सियत का नाम है जिन्होंने हूणों को पराजित किया था। उन्होंने विशाल साम्राज्य पर शासन किया और पूरे भारत में मंदसौर का नाम जो उस समय दशपुर नगर था उसे रोशन किया। इस वर्ष आचार संहिता के कारण कार्यक्रम की रूपरेखा देरी से बनी लेकिन नपा परिषद ने गौरव दिवस की परम्परा को अक्षुण्ण रखा है। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने कहा कि दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा नपा ने बनाई है। मंदसौर के नागरिक इस आयोजन से जुडे और सम्राट यशोधर्मन की महिमा को बढाये। नपा परिषद ने गत वर्ष सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा तेलिया तालाब पर स्थापित की। नपा परिषद मंदसौर नगर के गौरव को बढाने का जिन्होनें भी काम किया है उन सभी को शुभकामनाएं देती है। कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे।

जिले के स्काउट गाइड लेंगे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। भारत स्काउट गाइड जिला संघ मंदसौर के जिला प्रवक्ता ने जिला प्रवक्ता मोहम्मद उमर शेख ने जिला मुख्य आयुक्त स्काउट अंशुल भाई बैरागी से चर्चा कर बताया कि मंदसौर जिले के स्काउट गाइड पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद गुजरात में आयोजित 17वी राष्ट्रीय स्तर की स्काउट गाइड रैली में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के स्काउट गाइड दल को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

श्री बैरागी ने बताया कि मंदसौर जिले की स्काउट गाइड प्रदेश स्तर पर अपनी गतिविधियों के लिए अग्रणी मानी जाती है ,और जिले में वर्ष भर जितने भी गतिविधियां हुई उनके आधार पर पूरे प्रदेश से सिर्फ मंदसौर जिले को ही इस रैली में भाग लेने का मौका मिल रहा है। जिले का 20 स्काउट गाइड इसमें भाग लेंगे, जिसमें कई तरह की प्रतियोगिताएं होगी उसमें मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। गत वर्ष भी मंदसौर जिले ने राष्ट्रीय जंबूरी में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था इस वर्ष भी वार्षिक गतिविधियों में जिले के स्काउट गाइड बढ चढकर भाग ले रहे हैं ,जिला मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड अंशुल भाई बैरागी, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज, जिला अध्यक्ष नारायण सिंह ढाकनी, जिला कमिश्नर रोवर्स एनडी वैष्णव, जिला कमिश्नर गाइड सलमा शाह, जिला कमिश्नर कब्स बीके रत्नवत, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मधु जैन, मनीष मारू ,जिला सचिव श्रीमती ज्योति चौहान ,जिला कोषाध्यक्ष ईश्वर भाई रामचंदानी प्रधान संपादक पाताल लोक, राहुल माली ,सुरेश भावसार , गिरधारी लाल भावसार ,नरेंद्र द्विवेदी, मनोहर लाल शर्मा ,विनोद जोशी, राजेश पांडे ,गोविंद सांवरा ,भीमसेन वाधवा ,कमल राठौर ,मनीष पाटीदार, रश्मि पाटीदार आदि ने राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड पूर्व मंत्री पारस जैन ,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चितोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी श्रीमती दीपिका अंशुल बैरागी, प्रदेश कोषाध्यक्ष रमेश शर्मा ,राज्य सचिव (राजेश मिश्रा सेवानिवृत आईएएस), राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बीएल शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट उज्जैन डॉक्टर सुरेश पाठक आदि का आभार व्यक्त कर किया है कि उनके द्वारा मंदसौर जिले को यह अवसर प्रदान किया गया।

बालुराम सिंदम पंचतत्व में विलीन

लूनाहेड़ा, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। गांव लूनाहेडा मेघवाल समाज के मांगीलाल जी सिंदम के छोटे भाई व भारत, मुकेश के पिता बालुराम जी सिंदम का 65 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को उनके निवास स्थान पर निधन हो गया। वे एक मिलनसार व्यवहारिक प्रवृति के पुरुष थे। वो अपने पिछे भरा-पूरा परिवार छोड परधाम चल बसे। उनकी अंतिम शवयात्रा यात्रा में बडी संख्या में समाजजनों व ग्रामीणजनो ने शामिल होकर मुक्तीधाम पर श्रंदाजंलि अर्पित की।

नेशनल लोक अदालत हेतु गठित की 27 खंडपीठे

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री अजीत सिंह के मार्गदर्शन में 09 दिसम्बर 2023 शनिवार को जिला स्तर पर एवं तहसील न्यायालय भानपुरा, गरोठ, सीतामऊ, नारायणगढ में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री हर्ष सिंह बहरावत द्वारा बताया कि उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरणों एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में राजीनामे के माध्यम से निराकरण किया जावेगा। जिसमें परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत चैक बाउंस संबंधी प्रकरण, धन वसूली संबंधी प्रकरण, श्रम विवाद संबंधी प्रकरण, विद्युत और जल देयक संबंधी प्रकरण, भरण-पोषण संबंधी प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम के अंतर्गत आने वाले प्रकरण एवं अन्य आपराधिक शमनीय तथा दीवानी विवाद संबंधी प्रकरण, वैवाहिक मामले (तलाक संबंधी प्रकरणों को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रकरण, वेतन/भत्ते/सेवानिवृत्त संबंधी लाभ के सर्विस मैटर संबंधी प्रकरण, राजस्व प्रकरण (जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में लंबित प्रकरण) अन्य दीवानी प्रकरण जैसे किराया, विनिर्दिष्ट अनुतोष संबंधी वाद इत्यादि एवं बैंक/फायनेंस/ बी.एस.एन.एल, राजस्व, पुलिस एवं अन्य विभागों से संबंधित प्रिलिटिगेशन प्रकरणों को इस नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत राजीनामा के माध्यम से निराकृत किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रकरणों को निराकृत किये जाने हेतु जिला मुख्यालय मंदसौर एवं तहसील विधिक सेवा समिति गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ एवं सीतामऊमें कुल 27 खण्डपीठों का गठन किया गया है। जिसमें न्यायालय में लंबित प्रकरण 3873 एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरण 6253 निराकृत किये जाने हेतु रखे गये है।

अभा साहित्य परिषद ने गौरव दिवस पर गौरव गान के गायक एवं गीतकार राठौर का सम्मान किया

सेवानिवृत्त शिक्षक राठौर को साहित्य परिषद ने कवि से गीतकार बनाया-भावसार

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर इकाई द्वारा मंदसौर नगर गौरव दिवस पर यशोधर्मन पार्क तेलिया तालाब के स्थल पर मंदसौर गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित मंदसौर गौरव गान कार्यक्रम में इस दिवस के लिये विशेष रूप से लिखे एवं गाये जाने वाले दशपुर गौरव गान के गायक एवं गीतकार श्री नंदकिशोर राठौर का सम्मान शाल, श्रीफल एवं पुष्पमालाओं के साथ अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मान पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया, हुडको डायरेक्टर बंशीलाल गुर्जर, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष नम्रता चावला, भाजपा मण्डल अध्यक्षद्वय अजय आसेरी, वरिष्ठपत्रकार घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी, पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी, पार्षद गरिमा भाटी, पार्षद प्रतिनिधि विनय दुबेला की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर संस्था अध्यक्ष नरेन्द्र भावसार ने कहा कि दशपुर नगर गौरव गान का लेखन व गायन नंदकिशोर राठौर द्वारा किया गया है। यह अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर इकाई की महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन लोग आराम एवं कुछ नहीं करने की मानसिकता में बिताते हैं वहीं नदकिशोर राठौर ने सेवानिवृत्ति के बाद साहित्य साधना को जारी रखा।

परिषद की गोष्ठियों ने ही उनकी रचनाओं का परिमार्जन कर इन्हें आज गीतकार की श्रेणी में खडा कर दिया। इस अवसर पर समाजसेवी राजाराम तंवर, बंशीलाल टांक, अजीजुल्लाह खान, संस्था के उपाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिवेदी, नरेन्द्रसिंह राणावत, संजय भारती, गोपाल बैरागी, जितेन्द्र व्यास, धुरव जैन, मिताली भिंडवाल, चेतन व्यास, चन्द्रशेखर नागदा, स्वाति रिछवरा, महक झाला, यश्वी भावसार, गुंजन केसरिया, हार्दिक दुबे, सतीश हाडा, हर्पिता कडोतिया, निलेश बारोठ ने उपस्थित रहकर श्री राठौर को बधाई दी।

पंचायतों के नाम का लॉट 15 को जावद में

नीमच, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। जनपद सीईओ जावद श्री आकाश धार्वे ने बताया, कि जनपद पंचायत जावद क्षैत्र के सरपंचों की कुल संख्या के एक पंचमाश भाग चक्रानुक्रम से एक वर्ष की अवधि के लिए जनपद पंचायत के पदेन सदस्य अवधारित करने के लिए 15 दिसम्बर 2023 शुक्रवार को दोपहर 12 बजे जनपद पंचायत सभाकक्ष जावद में ग्राम पंचायतों के नाम का लॉट निकाला जावेगा। जनपद पंचायत जावद क्षेत्र के सरपंच निर्धारित तिथि को नियत समय व स्थान पर उपस्थित हो।

बाबा साहब ने देश को एक मजबूत संविधान बनाकर दिया-गनछेड़

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। वीर मातादीन अंबेडकर सेना द्वारा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस अंबेडकर चौराहा पर मनाया गया। बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात बाबा साहब के नारे लगाए गए और उनके द्वारा किए गए कई महान कार्यों पर पदाधिकारियों द्वारा बताया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक चेतनदास गनछेड ने बताया कि बाबा साहब ने हमारे देश को एक मजबूत संविधान बना कर दिया है और अनेक कार्य किए हैं साथ ही महिलाओं के लिए विशेष अधिकार बनाए। संगठन के जिलाध्यक्ष थानसिंह घावरी ने बताया की आज ही के दिन वर्ष 1956 में बाबा साहब ने अपना जीवन त्याग दिया था लेकिन जाते जाते वो देश को विश्व का सबसे मजबूत और सशक्त संविधान दे गए। बाबा साहब ने सभी के लिए समान अधिकार और बराबरी का अधिकार विशेषकर दलितों और पिछड़ों के लिए संविधान मे समान अधिकार दिए है। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक विनोद खेरालिया, सकल वाल्मीकि समाज अध्यक्ष राजाराम तंवर, पटेल मुकेश चनाल, संरक्षक चेतनदास गनछेड, जगदीश कोडावत, पवन दलोर, मुकेश हंस, अर्जुन कोडावत, विजेंद्र चनाल, भेरूलाल बारवासिया, विनोद छपरी, दिलीप बागड़िया, सतीश खेरालिया, मनोहर फतरोड, अजय चनाल, शक्ति डागर, रवि डागर, मुकेश राठौड, ललित कोदली, शैलेंद्र डागर, लखन उंदवाल, राहुल डागर आदि संगठन सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय भाषा उत्सव में छात्राओं ने लिखे अलग-अलग भाषाओं में देशभक्ति स्लोगन

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.पी.एल.पाटीदार ने बताया कि हमारे देश की भाषाई विविधता का जश्न मनाने एवं एकता और गौरव की भावना का अनुभव करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव के अंतर्गत दिनांक 07 और 08 दिसम्बर 2023 को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं द्वारा विभिन्न भारतीय भाषाओं में शब्द लिखे गये। अलग-अलग भाषाओं में देशभक्ति स्लोगन लिखे गये। छात्राओं ने राजस्थानी, पंजाबी, मराठी गीतों की भी प्रस्तुति दी। साथ ही महाविद्यालय में मेरी मातृभाषा में मेरे हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। छात्राओं ने बहुत ही उत्साह के साथ सभी गतिविधियों में सहभागिता की। डा.राजश्री ठाकुर, डा.शीला आर्य, डा.निरंजन गंगवाल, डा.भारतसिंह कलेश, डा.अनुराग आर्य, डा.दीपक परमार व दिलीपसिंह कांदिल के सहयोग से सभी गतिविधियों का संपादन हुआ। भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम का संयोजन डा.अंजली जैन व डा.स्मिता मण्डलोई ने किया।

मुख्यमंत्री ने दिए ठंड के मद्देनजर व्यापक इंतजाम के निर्देश

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समस्त नगरीय निकायों को ठंड के मद्देनजर व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समस्त आश्रय स्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों में ठंड से बचाव के लिये अलाव की व्यवस्था की जाए। आश्रय स्थल में नहाने के लिए गर्म पानी, ओढने के लिए रजाई एवं कबंल उपलब्ध कराये जायें। मोबाइल वैन के माध्यम से रात्रि के समय फेरे लगाकर बेघरों को आश्रय स्थल तक सुविधाजनक तरीके से पहुँचाना सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने विगत दिनों राजधानी के शाहजानी पार्क स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण किया था। श्री चौहान ने निर्देशित किया है कि ऐसे नगरीय निकाय जहां स्थाई आश्रय स्थल नही हैं, वहाँ अस्थाई तौर पर किराए के भवन में अथवा खाली पडे निकाय के अधिकृत किसी भवन में आश्रय स्थल प्रारंभ कर समस्त शहरी बेघरों को आश्रय एवं अन्य राहत प्रदान किया जाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आश्रय स्थल में रुकने वाले हितग्राहियों के मेडिकल चेक-अप की समुचित व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर सुनिश्चित करें, आश्रय स्थलों को समय पर किटाणुरहित किया जाना सुनिश्चित किया जाए और महामारी के प्रभावों से निपटने के लिए सुरक्षा के उपायों के संबंध मे हितग्राहियों को जागरूक किया जाना चाहिए। हेल्पलाइन नम्बर एवं आश्रय स्थल में पदस्थ मैनेजर और केयर टेकर के नम्बर सार्वजनिक स्थल पर प्रदर्शित किये जाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए हैं, जिससे शहरी बेघरों को आश्रय स्थल तक पहुंचाने के लिए जनसाधारण की सहभागिता भी हो सके। इस संबंध में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा समस्त नगरीय निकायों को व्यापक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

विधि त्रिवेदी का राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। दशपुर विद्यालय के खेल प्रशिक्षण श्री देवेंद्र बैरागी (क्रिकेट कोच) ने जानकारी देते हुए बताया कि गत दिवस शाजापुर में आयोजित शालाये बालिका अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दशपुर विद्यालय की छात्रा विधि पिता आशीष त्रिवेदी कक्षा 10 वी का चयन राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए किया गया है यह प्रतियोगिता दिनांक 20/12/2023 से 25/12/2023 तक नरसिंहपुर में आयोजित की जावेगी छात्रा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक वह विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रिंस वी थॉमस सुपरवाइजर श्री हकीम प्रसाद शर्मा विद्यालय के खेल प्रशिक्षक श्री जय विजय सिंह सिसोदिया श्री आकाश गाजवा श्री नवीन खोखर श्री भरत सिंह आदि ने बधाई दी वह उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाये-जैन

कलेक्टर जैन ने यात्रा तैयारियों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

नीमच, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से देश के विकास से आम लोगों को परिचित कराने के लिये मध्यप्रदेश एवं जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। यह यात्रा नीमच जिले में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में से गुजरेगी और केन्द्रीय योजनाओं से वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित करवायेगी। मध्यप्रदेश में कृषि और ग्रामीण विकास विभाग की यात्रा में अहम भूमिका रहेगी। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में आज संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये और जिले में यात्रा की तैयारियों की जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर लगातार प्रयास कर रही है कि केन्द्रीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को मिले। ग्राम स्वराज अभियान, विस्तारित ग्राम स्वराज अभियान, प्रमुख योजनाओं का शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रमुख उददेश्य- 1. क्षेत्र प्रचार की गतिविधियों आम नागरिकों में योजनाओ के प्रति जागरूकता लाना है। 2. सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच बनाना जो किन्हीं कारणों से इन योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह गये हैं। 3. केन्द्र की योजनाओं के संबंध में जानकारी का प्रसार करना। 4. नागरिकों और लाभार्थियों से योजनाओं के संबंध उनके अनुभव जानना।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की गतिविधिया उन सभी 69 जिलों और अन्य जिलों से भी गुजरेगी जहाँ जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। ग्राम पंचायतों स्तर पर भी जन-जागरूकता की गतिविधियाँ संचालित की जायेगी जिसमें जागरूकता, सामुदायिक, सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल हैं। इसके अलावा सूचना-शिक्षा-संचार वेन, आईटी प्लेटफार्म, और मोबाइल एप्लीकेशन भी उपयोग में लाये जायेंगे। राज्य सरकार, जिला, ग्राम पांचायत और स्थानीय शासन की समिति और केन्द्र सरकार के संगठन और संस्थाओं से प्लानिंग, समन्वय और निगरानी की जायेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा का उद्देश्य- ग्रामीण इलाकों के लिये प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वामत्वि, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री प्रणाम, नैनो फर्टि लाइजर शामिल हैं। साथ ही जनजातीय परिवारों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में सिकल सेल एनीमिया निवारण मिशन, एकलव्य मॉडल आवासीय विदयालयों में प्रवेश, स्कॉलरशिप, वन अधिकार, वन-धन विकास केन्द्र शामिल हैं।

शहरी क्षेत्रों में यात्रा का उद्देश्य- शहरी क्षेत्रों में यात्रा के दौरान शहरी योजनाओं में प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा, अटल मिशन फॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसपोर्टेशन-अमृत योजना, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, खेलो इंडिया, उडान, वंदे भारत ट्रेन, अमृत भारत स्टेशन योजना शामिल हैं। इन योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को चिंहित कर लाभान्वित किया जायेगा।

सर्वसुविधायुक्त मोबाइल वेन से होगा प्रचार-प्रसार- शहरी क्षेत्रों में मोबाइल वेन विभिन्न स्थानों पर जायेगी, मोबाइल वेन में एलईडी स्क्रीन, ऑडियो विजुअल सामग्री ब्रोशर, बुकलेट से सज्जित होगी। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नोडल अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई गई है, जिसमें केन्द्रीय संगठन और संस्थानों के दो प्रतिनिधि रहेंगे। यह समिति सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करेगी।

आईटी प्लेटफार्म और मोबाइल रिस्पांसिव प्लेटफार्म- विकसित भारत संकल्प यात्रा में केन्द्र सरकार की विशेष भूमिका होगी। इसमें आईटी प्लेटफार्म और मोबाइल रिस्पांसिव प्लेटफार्म बनाने, आईईसी वेन के संचालन, जनजागरूकता और प्रचार सामग्री, राज्य और जिलों में नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने में केन्द्र सरकार की भूमिका होगी। नोडल अधिकारी जिलों में, ग्राम स्वराज अभियान और जलशक्ति अभियान आदि की गतिविधियों से समन्वय स्थापित करेंगे। वे राज्य सरकार से प्रगति और केन्द्रीय योजनाओं के कव्हरेज के संबंध में भी जानकारी लेंगे। कलेक्टार श्री दिनेश जैन ने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को यात्रा की पूरी तैयारियां करने और विभागीय योजनाओं का लाभ शेष हितग्राहियों को दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, सुश्री प्रीति संघवी, सभी एसडीएम , जनपद सीईओ, सीएमओ और जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	199	2010	2220
उडद	51	5600	9400
सोयाबीन	5500	4550	5001
गैहु	2805	2400	3065
चना	188	5100	5600
मसुर	51	5060	5950
धनिया	319	5000	7900
लहसुन	12000	11581	24001
मैथी	746	5201	7550
अलसी	1750	5001	5301
सरसो	534	5001	5293
तारामीरा	3	4779	4795
इसबगोल	18	11400	16500
प्याज	8500	550	2700
कलोंजी	20	11500	16872
डॉलर	31	7200	14790
तिल्ली	10	10000	16661
मटरसुखी	36	2150	3420
असालीया	50	10151	11071

आईजी-डीआईजी पहुंचे नीमच

एसपी कार्यालय सहित पुलिस लाइन की इकाइयों का किया निरीक्षण, पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर की समीक्षा

नीमच, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वार्षिक निरीक्षण के लिए शुक्रवार को उज्जैन आईजी संतोष कुमार सिंह और रतलाम रेंज के डीआईजी मनोज कुमार सिंह नीमच पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले पुलिस कप्तान कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर दिनेश जैन और एडीएम नेहा मीना ने भी आईजी, डीआईजी से मुलाकात की। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिले के पुलिस कप्तान अमित कुमार तोलानी, एएसपी नवल सिंह सिसोदिया और सीएसपी फूल सिंह परस्ते सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसपी कार्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद आईजी, डीआइजी पुलिस लाइन पहुंचे जहां उन्होंने शस्त्रागार, पुलिस जिम और शहीद स्मारक का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली।

आईजी संतोष कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उनका

वार्षिक निरीक्षण था, जिसके लिए वे नीमच आए थे। पुलिस कप्तान कार्यालय और पुलिस लाइन का निरीक्षण किया गया है। यहां समान रूप से कार्य अच्छा पाया गया है। जहां-जहां हमको लगा कि यहां और बेहतर कार्य किया जा सकता है, उसे क्षेत्र के संबंधित अधिकारी को निर्देशित भी किया गया है। पिछले कुछ वर्षों से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियो की सुविधाओं की दिशा में कार्य किए गए हैं। कई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में पुलिस विभाग द्वारा विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए गए हैं। दिसंबर का महीना चल रहा है, अपराधों के निकाल और अपराधियों की धरपकड़ सहित अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में भी कार्य किये जा रहे है। फरार अपराधियो को चिन्हित कर उनपर कार्यवाही की जाएगी। शासकीय चौकी और थानों पर पदमान से पद स्वीकृत किए जाते हैं। कई बार स्थितियां, परिस्थितियां ऐसी निर्मित होती है कि चाहते हुए भी उस रैंक का अधिकारी नहीं उपलब्ध हो पाता है। ऐसी स्थिती में कार्य के लिए छोटे रैंक के अधिकारी को पदभार सौंपा जाता है।

बाइक सवार की टक्कर से युवक घायल

मनासा, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार देर रात मनासा-मंदसौर रोड पर गांव किशनगढ़ व सौमिया के बीच हादसा हो गया। एक अज्ञात वाहन चालक ने एक बाइक चालक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक कैलाश उम्र 35 साल गंभीर घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने परिजनों और मनासा थाना 108 एंबुलेंस को सूचना दी। युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से पहले नजदीकी व नारायणगढ़ शासकीय अस्पताल ले जाया गया। जहां से हालत गंभीर होने के चलते उसे मंदसौर के बड़े अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं हादसे के बाद अज्ञात वाहन सवार मौके से फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मंदसौर में पुलिस कप्तान ने किया परेड का निरीक्षण

मंदसौर, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान मंदसौर अनुराग सुजनिया द्वारा शुक्रवार को पुलिस लाइन मंदसौर में आयोजित जनरल परेड का किया निरीक्षण किया गया। इस दौरान परेड संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश देकर कर्मचारियों हेतु ओ. आर. भी रखा गया।

जिला पुलिस लाइन मंदसौर में शुक्रवार को जनरल परेड का आयोजन किया गया। जिसमे पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया द्वारा परेड की सलामी ली गई। सलामी के पश्चात परेड में उपस्थित राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारी कर्मचारियों के टर्नआउट का निरीक्षण भी किया गया। पुलिस कप्तान द्वारा परेड निरीक्षण के दौरान सुधार हेतु दिशा निर्देश भी दिए गए। परेड के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी समेत जिले के अन्य राजपत्रित, अराजपत्रित अधिकारी, जिले के समस्त थानों, चौकी का बल एवम डॉग स्क्वायड भी उपस्थित रहा। परेड के पश्चात कर्मचारियों के लिए ओ.आर. भी रखा गया।

क्या होता है ओ.आर....

पुलिस विभाग में आरक्षक सहित अन्य अधिकारी बिना बताए यदि छुट्टी मार लेते है तो रक्षित निरीक्षक द्वारा पुलिस कप्तान के समक्ष पेश कर उनकी छुट्टी के संबंध में निर्णय कराया जाता है। इस दौरान संबंधित कर्मचारी अपने बचाव में जो भी तर्क देता है, उसे देखते हुए पुलिस कप्तान तत्काल छुट्टी का क्या करना है, इसका निर्णय लेते है।

पहली बार किसी मुख्यमंत्री को बनाया गया पर्यवेक्षक, मनोहर लाल आएंगे भोपाल

इंदौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद

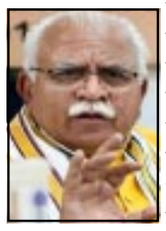

मुख्यमंत्री पद फाइनल करने के लिए चर्चा जारी है। इसी बीच मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा ने पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया है। जिसमें एक पर्यवेक्षक खुद मुख्यमंत्री है।

मध्य प्रदेश के लिए जिन नेताओं के नाम फाइनल किए गए हैं, उनमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के अलावा आशा लकड़ा और के लक्ष्मण का नाम शामिल है। यह तीनों नेता मध्य प्रदेश पहुंचेंगे और विधायकों से मुलाकात करेंगे। बता दे कि यह पहली बार है जब किसी राज्य के मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए पर्यवेक्षक के तौर पर किसी मुख्यमंत्री पर्यवेक्षक बनाया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को मुख्यमंत्री के नाम को लेकर असमंजस खत्म होने की बात कही थी। साथ ही मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल अपने नाम को लेकर मीडिया से चर्चा में गुरुवार को उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए अभी एक दर्जन नाम चल रहा है। मेरा नाम चलाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मेरे पास बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। अभी मैं राष्ट्रीय महामंत्री हूं।

न्यायिक सेवा परीक्षा के लिए एलएलबी के सभी सेमेस्टरों के पहले प्रयास में 70 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य

इंदौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। जनवरी-2024 में होने वाली न्यायिक सेवा परीक्षा की न्यूनतम अर्हताओं को लेकर वकीलों की संस्था न्यायाश्रय ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखा है। इसमें संस्था द्वारा अर्हताओं में संशोधन की मांग की गई है। मालूम हो कि परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी को दो अर्हताओं में से किसी एक को पूरा करना अनिवार्य है। पहली अर्हता तो यह है कि अभ्यर्थी ने एलएलबी के दौरान पहले ही प्रयास में हर सेमेस्टर में न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। यानी एक भी सेमेस्टर में अभ्यर्थी को 70 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त हुए तो वह न्यायिक सेवा परीक्षा के लिए पात्र नहीं माना जाएगा, भले ही सभी सेमेस्टरों के अंकों का औसत 70 प्रतिशत से अधिक क्यों न हो। दूसरी अर्हता है कि अभ्यर्थी को इस बात का प्रमाण देना होगा कि वह पिछले तीन वर्षों से वकालात कर रहा है। इसके लिए उसे हर वर्ष के कम से कम छह सारवान (महत्वपूर्ण) निर्णय या आदेश प्रस्तुत करने होंगे, जिसमें उसने पैरवी की हो।

वकीलों ने कहा- यह मुश्किल काम है-वकीलों का कहना है कि दोनों ही अर्हताएं किसी भी जूनियर वकील के लिए पूरी कर पाना लगभग असंभव है। एलएलबी जैसे मुश्किल परीक्षा में हर सेमेस्टर में पहले ही प्रयास में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पाना बहुत मुश्किल है। इसी तरह एलएलबी की डिग्री प्राप्त करने के बाद तीन-चार वर्ष तो जूनियर वकील के रूप में काम करना होता है ताकि कानून की व्यावहारिक

दिक्कतों को समझा जा सके। किसी भी जूनियर वकील के लिए तीन वर्ष तक हर वर्ष के छह सारवान आदेश या निर्णय अपने नाम से करवा पाना संभव नहीं।

जूनियर के साथ सीनियर वकील भी कर रहे विरोध-मप्र हाई कोर्ट ने व्यवहार न्यायाधीश वर्ग दो के 138 पदों के लिए होने वाली प्रारंभिक परीक्षा के लिए 17 नवंबर को विज्ञापन जारी किया है। इसमें अभ्यर्थी के लिए एलएलबी की डिग्री की न्यूनतम अर्हता के साथ-साथ इसमें दो अर्हताओं में से किसी एक को पूरा करना भी अनिवार्य किया गया है। विरोध इन अर्हताओं को लेकर ही है। जूनियर ही नहीं, सीनियर वकीलों का भी कहना है कि इन अर्हताओं की वजह से 90 प्रतिशत से ज्यादा वकील प्रारंभिक परीक्षा में शामिल ही नहीं हो सकेंगे।

पांच वर्ष पहले देना थी जानकारी-वकीलों का यह भी कहना है कि अगर इन अर्हताओं को लागू ही करना था तो कम से कम पांच वर्ष पहले से इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी ताकि एलएलबी की पढ़ाई के दौरान ही विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखते कि उन्हें न्यायिक सेवा में जाना है तो कम से कम प्रत्येक सेमेस्टर में 70 प्रतिशत अंक लाने होंगे।

कोविड ने दो वर्ष तक नहीं होने दिया कामकाज-वकीलों का कहना है कि कोविड काल में करीब दो वर्ष तक तो न्यायालय में नियमित कामकाज ही नहीं हुआ। वर्चुअल सुनवाई में वे ही वकील पैरवी कर सके जो पहले से प्रैक्टिस में थे और जिन्हें लोग जानते-पहचानते थे। नए वकीलों के लिए घर में बैठे-बैठे पक्षकारों को तलाशना संभव नहीं था। ऐसी स्थिति में जूनियर वकील तीन वर्ष के छह सारवान निर्णय या आदेश कहां से लाएंगे।

नैतिक रूप से अनुचित

सिविल जज परीक्षा के लिए नियत की गई अर्हताएं हजारों छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने से वंचित कर रही हैं। ये तार्किक एवं नैतिक रूप से अनुचित हैं। परीक्षा देने का अधिकार प्रत्येक छात्र-छात्रा को होना चाहिए। हमने अर्हताओं में संशोधन की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र भी लिखा है।

पंकज वाधवानी, अध्यक्ष
संस्था न्यायाश्रय

व्यावहारिक रूप से सही नहीं

दोनों ही अर्हताओं में संशोधन किया जाना चाहिए। यह व्यावहारिक रूप से सही नहीं है। किसी भी एलएलबी के विद्यार्थी के लिए पहले ही प्रयास में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करना बहुत मुश्किल है।

दिलीप सिसौदिया
वरिष्ठ अभिभाषक

ज्यादातर वकील बाहर हो जाएंगे

इस तरह की अर्हताएं लागू करने के कम से कम पांच वर्ष पहले से सूचना दी जाना चाहिए थी। कोविड काल में किसी भी जूनियर वकील के लिए छह सारवान आदेश या निर्णय अपने नाम से करवा पाना मुश्किल है। इससे ज्यादातर वकील परीक्षा से बाहर हो जाएंगे।

सौरभ मिश्रा, एडवोकेट

विधायक जैन ने अपने संकल्प अनुसार गौरव दिवस पर शिवना का सफाई अभियान शुरू किया

जैन ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं व गणमान्य नागरिकों के साथ शिवना नदी में खुद उतर कर की सफाई

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा में 20 साल का रेकार्ड तोड़कर बनने वाले नवनिर्वाचित विधायक श्री विपिन जैन ने कांग्रेसजन एवं आम जनता के साथ मिलकर आज गौरव दिवस पर शिवना मैया के कायाकल्प का संकल्प लेकर इसकी सफाई की शुरूआत की। विधायक श्री विपिन जैन स्वयं कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के साथ शिवना नदी के पानी में उतरे उन्होंने नदी में जमी काई व गंदगी को हटाया। आपने इस दौरान कहा कि शिवना मैया जो मंदसौर की जीवनदायिनी है। लेकिन यहां सत्ता में कई दशकों से विराजमान जनप्रतिनिधि इसकी उपेक्षा कर रहे है। भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के आने वाले दर्शनार्थी शिवना के गंदे पानी में स्नान नहीं कर पाते। यहां आने वाले को शिवना की व्याप्त गंदगी दिखाई देती है, यहां का पानी बदबू मारता है। इन सबके बावजूद हमेशा नगरवासियों को जनप्रतिनिधि सिर्फ आश्वासन देते रहते है। श्री जैन ने कहा कि मैंने शिवना शुद्धिकरण का संकल्प लिया है। मेरी प्राथमिकता रहेगी की शिवना के जल को शुद्ध करने के लिये जो भी कार्य होगा वह मेरे द्वारा किया जाएगा। मंदसौर गौरव दिवस पर जिन्हें सिर्फ मंच चाहिये उनको मंच मुबारक लेकिन मुझे तो धरातल पर कार्य करना है।

इस अवसर पर विधायक श्री जैन के साथ पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटील, जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश रातड़िया, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर, पूर्व नपाध्यक्ष मो. हनीफ शेख, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, जिला कांग्रेस पदाधिकारी कांतिलाल राठौर, इष्टा भाचावत, बबीतासिंह तोमर, सुरेश भाटी, वहीद जैदी, शैलेन्द्र बघेरवाल, मदन अटोलिया, खलील पठान, संजय सोनी, कैलाश मनवानी, राजेश फरक्या, अशोक खिंची, समीर खान, विनोद शर्मा, गोविन्द सुरा, विजय सिसौदिया, सुनील बसेर, किशोर गोयल, कमलेश सोनी लाला, सुरेश टेलर, डॉ. अजीत जैन, हाजी रशीद खान, गोविन्द सुरा, श्याम गुगर, सुदर्शनसिंह शक्तावत, साबिर इलेक्ट्रीशियन, खुर्शीद आलम, सुनील पामेचा, दिनेश कल्याणी, शमशु भाई, असगर मेव, मंदसौर शहर कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष अम्बालाल हिंगोरिया, सलीम खान, घनश्याम कुमावत, सेवादल के जिलाध्यक्ष दिलीप देवड़ा, अजा विभाग जिलाध्यक्ष संदीप सलोद, अजजा विभाग के जिलाध्यक्ष रमेश सिंगार, आईटी सेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष योगेन्द्र गौड़, महिला नैत्री अंजू तिवारी, वर्षा सांखला, अनिता भदोरिया, कुसुम विश्वकर्मा, नेहा कनकमल जैन, रचना जैन, मुमताज बी, आरती चौहान, दिप्ती पोखरना, नीता होतवानी, मण्डलम अध्यक्ष दशरथ राठौर, शुभम कुमावत, नितेश सतीदासानी, अजय मारू, पंकज जोशी, अजय सोनी, वकार खान, रमेश ब्रिजवानी, चन्द्रशेखर अहिरवार, कांग्रेसजन राजेन्द्र सेठिया, घनश्याम चौहान, दीपक जैन, संजय जैन, राजकुमार कुमावत, राजेश सौलंकी, धर्मेन्द्र कर्नावट, विपिन चपरोत, अनिल जैन, भाविक संचेती, दिनेश यादव, राकेश सेन सम्राट, प्रियांशु जैन, कपिल पण्ड्या, सलीम शेख, राहुल पोरवाल, महेश रत्नावत, कमल दरकुनिया, प्रवीण जैन, अशफाक खान, महेश आर्य, नरेन्द्र डूंगरवाल, राजेश खिंची, गफार नीलगर, परमानंद चौहान, महेश गुप्ता, अमृतराम सुनार्थी, मुन्नालाल कुमावत, छगनलाल तेली, श्रीद पाण्डेय, अंकित चौहान, सुनील सोनावत, मंगल गवली, श्यामसाल्वी, शिवशंकर सौलंकी, नरेन्द्र जैन, वासुदेव धाकड़, यश कुमावत, रितेश पाल, देवेन्द्र जैन, संजय ढ़लावत, अनिल शर्मा, पुलरेन्द्र शर्मा, गोपाल ग्वाला, मोहम्मद आसीफ अंसारी, भंवरलाल कुमावत, राजेश चौधरी, कन्हैयालाल भदानिया, लियाकत कुरेशी, मोहम्मद सिद्दीक, रवि विनायका, सादिक गौरी, मोहसीन रहमानी, रिजवान, राजेश खिंची, योगेन्द्रसिंह नारंग, कचरमल जटिया, मनीष सोनी लाला, दिलीप पाटीदार, पियुष जैन कुंचड़ौद, हरिश पाटीदार, महेश मोदी, दुर्गाशंकर, अकरम खान, फिरोज हुसैन, डॉ. कालुसिंह राठौर, निलेश चौहान, यश श्रीवास्तव, श्यामलाल खिंची आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने किया एवं आभार ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा ने माना। यह जानकारी प्रवक्ता राजनारायण लाड़ ने दी।

पल्स पोलियो अभियान जागरूकता रैली को नपा अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। पल्स पोलियों अभियान की जागरूकता रैली का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर द्वारा हरी झंडी दिखा किया। नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती गुर्जर द्वारा जिले के समस्त नागरिको को अपील की गई कि 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 10 दिसंबर को नजदीकी पोलियों बुथ पर ले जारक पोलियों की दवाई अवश्व पिलावे। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता एवं नर्सिंग कॉलेज की छात्राऐं उपस्थित थी। मुख्य चिकित्या एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 10 दिसंबर को पोलियो की दवाई पिलाने के लिये 1212 बुथ पर 12 मोबाईल टीम एवं 34 ट्रांजिट टीम बनाई गई है। जो 10 दिसंबर को बुथ पर एवं 11 और 12 दिसंबर को घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाएगी। पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ 10 दिसंबर को जिला चिकित्सालय परिसर में प्रात: 9.30 बजे किया जाएगा।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस की राशि संग्रहण की

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन श्री संजय दीक्षित (से.नि) द्वारा बताया गया कि 7 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वीर सैनिको के कल्याण हेतु स्वेच्छानुसार जनसाधारण से धन संग्रहण किया। जिसमें सीईओं जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम एवं अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान को प्रतिकात्मक फ्लेग लेपन पिन लगाकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस की राशि संग्रहण की शुरूवात की गई।

शुक्रवार को सुबह कोहरे के बाद निकली धूप

मंदसौर, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को अंचल में मौसम साफ रहा और धूप निकली। जिससे दोपहर में लोगो को ठंड से राहत मिली। हालांकि की सुबह के समय घना कोहरा छाया और ओस भी गिरी। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के आसपास बना हुआ था।

मौसम जानकारों के अनुसार बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान 'मिचौंग' कमजोर हो गया है। लेकिन, नमी की वजह से प्रदेश में अगले एक-दो दिन तक बादल छाए रहेंगे। प्रदेश में अगले तीन दिन तेज ठंड रहेगी। हवाओं का रुख उत्तरी होने से सर्दी भी बढ़ेगी दिन और रात के तापमान में और गिरावट आएगी। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि हवाओं की दिशा उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी होने से सर्दी बढ़ जाएगी। रात के साथ दिन में भी सर्दी का हल्का असर रहेगा। रात के तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट होगी। तीन दिन बाद वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से एक बार फिर प्रदेश में मौसम बदलेगा।

कुए में मिला युवक का शव

मौत का कारण अज्ञात

पिपलियामंडी, 8 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव थड़ोद में युवक की लाश स्वयं की कुए में मिली, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई यह पता नही चला। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया। जानकारी के अनुसार गांव थड़ोद निवासी भेरुसिंह (18) पिता गुलाबसिंह गुरुवार दोपहर तीन बजे से घर से लापता था। जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे। रात्रि 8 बजे करीब युवक का शव उसके ही कुए में मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची व शव बाहर निकलवाया। शुक्रवार को सुबह शव पीएम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पिपलिया टीआई नीरज सारवान ने बताया कि युवक की मौत कैसे हुई यह पता नही चल पाया, पीएम रिपोर्ट आने के बाद जांच आगे बढ़ेगी। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम मामला जांच में लिया।

✻ उठावना ✻

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय भंवरलालजी कसेरा के छोटे भाई लक्ष्मीनारायण कसेरा की धर्मपत्नी व प्रहलाद की भाभी व मितेश, रितेश की माताजी व दीपक की बड़ी माताजी व स्व. महेशजी, सुरेश (सरकार), गिरिराज, कैलाश कसेरा की काकीजी व अक्षत, अवनीश की दादीजी श्रीमती कृष्णादेवी कसेरा का आकस्मिक निधन दिनांक 7-12-2023 गुरुवार को हो गया है जिनका उठावना कल दिनाँक 9-12-2023 शनिवार दोपहर 2:30 बजे विजयवर्गीय समाज धर्मशाला मनासा पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
प्रहलाद, सुरेश (सरकार), गिरिराज, कैलाशचंद्र एवं कसेरा परिवार मनासा

✻ शवयात्रा ✻

राधेश्याम जी, गोपाल जी के छोटे भाई लालाजी (केशव माधव की धर्मपत्नी एवं राजेंद्र जी की भाभी एवं जगदीश जीतू नीतू महेश कालु गोविंद निलेश दिलीप की काकी जी एवं रितेश टिंकल की बडी मम्मी पंकज मनोज की माता श्रीमती कृष्णा बोराना का स्वर्गवास दिनांक 8/12/2023 शुक्रवार को हो गया है जिनकी शव यात्रा दिनांक 9/12/2023 शनिवार को सुबह 10:00 बजे उनके निवास स्थान खड़ा शेर गली तेली मोहल्ला मनासा से निकाली जाएगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
बोराना परिवार, मनासा, इंदौर
8120582814
6267848739

प्याज की बढ़ती कीमतों पर सरकार का बड़ा फैसला, 31 मार्च तक निर्यात पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। बेमौसम बारिश और उत्पादन में कमी से प्याज की बढ़ती कीमतों का शोर सरकार तक भी पहुंच गया। आम आदमी की थाली पर ज्यादा असर न पड़े इसके लिए सरकार ने तत्काल प्रभाव से बड़ा फैसला किया है। सरकार ने कहा है कि मार्च, 2024 तक प्याज के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाई जाती है। इस दौरान एक भी प्याज देश के बाहर नहीं जाना चाहिए, ताकि घरेलू बाजार में इसकी सप्लाई बनी रहे और कीमतों में उछाल न आने पाए। विदेशी व्यापार महानिदेशालय ने शुक्रवार सुबह एक नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि प्याज की निर्यात पॉलिसी में थोड़ा बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत 31 मार्च, 2024 तक देश के बाहर प्याज के निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही चीनी की बढ़ती कीमतों पर भी सरकार ने काबू पाने के लिए मिलों को आदेश जारी किए हैं।

साथ ही केंद्र सरकार की ओर से भारतीय खाद्य निगम को अब हर सप्ताह 4 लाख टन गेहूं बेचने की मंजूरी दी जा सकती है, जोकि वर्तमान समय में सिर्फ 3 लाख टन ही है। अगर खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होंगी तो महंगाई (मुद्रास्फीति) घटकर 4 महीने के निचले स्तर 5 प्रतिशत से कम होने की उम्मीद है। आपको बता दें कि इससे पहले भी मोदी सरकार ने घरेलू मॉर्केट में उपलब्धता बढ़ाने के लिए प्याज निर्यात पर 800 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 67 हजार रुपये प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) तय किया था। एमईपी लागू होने के बाद भी हर महीने एक लाख टन से अधिक प्याज भारत से दूसरे देशों में एक्सपोर्ट हुआ था। इस देश में प्याज की कीमतें सातवें आसमान पर हैं। इस वक्त भारतीय मार्केट में प्याज के दाम 50 से 60 रुपये प्रति किलो हैं। ऐसे में प्याज के निर्यात से यहां दामों में काफी असर पड़ता है। सरकार ने प्याज की कीमतों को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सूत्रों के कहना है कि इस साल सरकार ने चीनी के कम उत्पादन को देखते हुए इथेनॉल के लिए गन्ने के रस के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी

मंदसौर, 8 दिसंबर, गुरु एक्सप्रेस। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी कर दिया गया। मतदान 5 जनवरी, 2024 को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने का कार्य 15 दिसम्बर, 2023 से शुरू होगा। नाम निर्देशन-पत्र 22 दिसम्बर तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन-पत्रों की जाँच 23 दिसम्बर को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 दिसम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। पंचायतों में मतदान 5 जनवरी, 2024 को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक और नगरीय निकायों में सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा।

नगरीय निकायों की मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 9 जनवरी को सुबह 9 बजे से होगी। पंचायत उप निर्वाचन में पंचायत पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र में ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की ईव्हीएम में की जाने वाली मतगणना 9 जनवरी को संबंधित विकासखण्ड मुख्यालय पर सुबह 8 बजे से की जायेगी। सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य पद के निर्वाचन परिणामों की घोषणा 9 जनवरी और जिला पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणाम की घोषणा 11 जनवरी को की जायेगी। उल्लेखनीय है कि 9 हजार 220 पंच, 56 सरपंच, 15 जनपद पंचायत सदस्य और एक जिला पंचायत सदस्य के लिये उप निर्वाचन होगा। इसी तरह विभिन्न नगरीय निकायों में 21 पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होना है।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक क्यू/2023 मंदसौर, दिनांक 08.12.2023

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एसी 2510 जो कि कार्यालय में तुफानसिंह पिता मांगूसिंह निवासी C/o कृपालसिंह ढोढर, तह. सुवासरा, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 29.10.2019 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु मुंनाबाई पिता तुफानसिंह निवासी C/o कृपालसिंह ढोढर, तहसील सुवासरा, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ

Welcare हॉस्पीटल वडोदरा के प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेन्ट सर्जन डॉ. भरत मोदी के सहयोगी

डॉ विपिनसिंह मंदसौर में अपनी सेवा देंगे।

हड्डी रोग जोड़ प्रत्यारोपण एवं घुटनों में दर्द पीठ में दर्द गर्दन में दर्द आदी बीमारियों का इलाज करेगे

शनिवार 09 दिसम्बर 2023
स्थान- 12, गनेड़ीवाल धर्मशाला, नगरपालिका के सामने, मन्दसौर
समय-सुबह 9.00 से 11 बजे तक

सम्पर्क फोन नं. 07422-403733, 9425105383

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in